

| नाम संख्या                    | श्लोक |
|-------------------------------|-------|
| मैनाकस्य ४ हिरण्यनाभादि       | ९४    |
| कैलाशस्य ४ रजनाद्यादि         | ९४    |
| कौञ्चस्य २ कौञ्चादि           | ९५    |
| मलयस्य ३ मलयादि               | ९५    |
| माल्यवनः २ माल्यवानादि        | ९५    |
| विंध्यस्य २ विंध्यादि         | ९५    |
| शत्रुञ्जयगिरेः २ शत्रुञ्जयादि | ९६    |
| मन्दरस्य २ इन्द्रकोलादि       | ९६    |
| त्रिकूटस्य ४ सुवेलादि         | ९६    |
| रैवतकस्य २ उज्जयन्तादि        | ९७    |
| पारिपात्रस्य २ सुदार्वादि     | ९७    |
| लोकालोकस्य २ लोकालोकादि       | ९७    |
| सुमेरेः ७ मेर्वादि            | ९७    |
| गिरिमृङ्गस्य ३ मृङ्गादि       | ९८    |
| प्रपातस्य ३ प्रपातादि         | ९८    |
| गिरिनितम्बस्य ३ मेखलादि       | ९९    |
| दर्याः २ दर्यादि              | ९९    |
| अखानविलस्य २ गुहादि           | ९९    |
| गिरिसन्धेः १ द्रोणीनि         | १००   |
| पर्यन्तपर्वतानां १ पादाइति    | १००   |

| नाम संख्या                    | श्लोक | हे०ख० |
|-------------------------------|-------|-------|
| दनकस्य १ दनकेति               | १००   |       |
| पर्वतोर्द्धभूमेः १ अधित्यकेति | १०१   | ।     |
| पर्वताधोभूमेः १ स्यादिति      | १०१   |       |
| सानोः ३ प्रस्थादि             | १०१   |       |
| पाषाणस्य ७ अश्वादि            | १०१   |       |
| गरुडशैलस्य २ गरुडशैलादि       | १०२   |       |
| आकरस्य २ आकरादि               | १०२   |       |
| गैरिकस्य २ धात्वादि           | १०२   |       |
| खटिन्याः ५ मुक्ताधात्वादि     | १०३   |       |
| लोहस्य ११ लोहादि              | १०३   |       |
| सिंघाणस्य ४ सिंघानादि         | १०४   |       |
| स्वर्णादिधानूनां १ सर्वमिति   | १०४   |       |
| अयोविकारस्य १ विकारेति        | १०५   |       |
| नामस्य १२ नामादि              | १०५   |       |
| सीसस्य ११ सीसादि              | १०६   |       |
| बंगस्य १४ बंगादि              | १०८   |       |
| रूपस्य १० रूपादि              | १०९   |       |
| सुवर्णस्य ३३ सुवर्णादि        | १०९   |       |
| घटिताघटिनहेमरूप               | } १११ |       |
| योः ३ हिरण्यादि               |       |       |